किया जायेगा। आपके खाते में पांच हजार रूपये शामिल हुए। इस दौरान

हिंदुस्तान पॉवर सीएसआर के मार्गदर्शन में युवाओं ने लिखी कामयाबी की इबारत

« जैतहरी (अनूपपुर)। हिंदुस्तान पावर सीएसआर की मदद से अनूपपुर के उन कई विद्यार्थियों ने मध्य प्रदेश माध्यमिक शिक्षा बोर्ड की 10वीं कक्षा की परीक्षा में कामयाबी हासिल की है, जिन्होंने किन्हीं कारणों से बीच में ही अपनी पढ़ाई छोड़ दी थी। सीएसआर शाखा की शैक्षिक पहल से लाभ उठाने वाले विद्यार्थियों में से जिन 77 विद्यार्थियों ने बोर्ड परीक्षा दी, उनमें से 44 उत्तीर्ण हुए हैं। इन्होंने स्वाध्यायी (प्राइवेट) विद्यार्थी की हैसियत से बोर्ड परीक्षा दी। उत्तीर्ण विद्यार्थियों में नरेश शर्मा भी शामिल हैं, जिन्होंने असमय अपनी पढ़ाई को विराम दे दिया था, पर सीएसआर की शैक्षिक पहल का लाभ उठाकर बोर्ड परीक्षा प्रथम श्रेणी से पास की है। इन 44 विद्यार्थियों में 31 ने द्वितीय श्रेणी और 12 ने तृतीय श्रेणी से परीक्षा पास की है। भारत के कई जिलों की तरह अनूपपुर भी एक ऐसा जिला है जहां हाई स्कूल तक जाते-जाते एक बड़ी तादाद में विद्यार्थी पढ़ाई को विराम दे देते हैं। इसके पीछे कई कारण होते हैं। ऐसे में ये युवा विकास अवसरों से वंचित रह जाते हैं। जिले में असमय पढ़ाई छोड़ने वाले विद्यार्थियों (ड्रॉप-आउट) की बढ़ती तादाद को देखते हुए हिंदुस्तान पावर सीएसआर ने स्थानीय प्रशासन की सलाह पर 'ड्रॉप-आउट मेनस्ट्रेमिंग क्लास' नामक पहल की अवधारणा पर अमल किया। इसके पीछे पढ़ाई छोड़ने वाले विद्यार्थियों को फिर से शिक्षा की मुख्यधारा में लाकर उन्हें विकास अवसरों से जोड़ना है। इस साल एमपी बोर्ड की 10वीं की परीक्षा में करीब 54 फीसदी विद्यार्थी उत्तीर्ण हुए हैं, जबकि अनूपपुर का यह आंकड़ा 55 फीसदी है। सीएसआर के इस शैक्षिक कार्यक्रम के तहत शिक्षकों ने नवंबर, 2015 से फरवरी 2016 तक तक इन विद्यार्थियों को पढ़ाया। इन्हें कामयाबी दिलाने के लिए सप्ताह में छह दिन पढ़ाई सुनिश्चित की गई। हिंदुस्तान पावर की सीएसआर प्रमुख रानू कुलश्रेष्ठ कहती हैं, ''सीएसआर शाखा अनूपुपर में स्थानीय समुदायों की आजीविका सुनिश्चित करने के लिए कई विकल्प मुहैया कराती रही है और युवा सशक्तिकरण में शिक्षा की महत्ता को देखते हुए हमने 'ड्रॉप-आउट मेनस्ट्रेमिंग क्लास' कार्यक्रम शुरू करने का फैसला किया। हमें इसकी अपार खुशी है कि इस परीक्षा के लिए हमारे साथ पंजीकृत विद्यार्थियों में से 59 फीसदी ने कामयाबी हासिल की है, वहीं परीक्षा में नाकाम रहने वाले विद्यार्थियों में से 18 ने पूरक परीक्षा में बैठने का फैसला किया है और उनकी तैयारी जारी है। इसके लिए हम जैतहरी उत्कृष्ट विद्यालय के प्रिंसिपल के भी आभारी हैं जिन्होंने बुनियादी सुविधाएं प्रदान कर और विद्यार्थियों का मार्गदर्शन कर हमारा हौसला बढ़ाया।